सहायता भी दी गयी । वर्ष 1993-94 के लिए उर्वरक आर्थिक सहायता हेतु 3500 करोड़ रु० का बजट प्रावधान है । इसके अलावा सरकार ने चालू वर्ष के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित डी ए पी 1000 रु० प्रति टन की विशेष रियायत तथा कम्प्लेक्स उर्वरकों और एस एस पी पर आनुपातिक रियायत की घोषणा की है । आयातित एम ओ पी के लिए भी इसी तरह की रियायत उपलब्ध है।

(ख) और (ग) उर्वरकों के उत्पाद की लागत में संयंत्र की आयु तथा आकार प्रयोग किये गये फीडस्टाक आदि के आधार पर एकक दर एकक अन्तर होता है । इस परिप्रेक्ष्य प्रति टन आर्थिक सहायता राशि में भी अन्तर होता है । इसके अलावा फास्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों को दिनांक 25.8.1995 से अनियंत्रित कर दिया गया है ।

तथापि, यूरिया का भारित औसत प्रतिधारण मूल्य (अर्थात शुद्ध मूल्य पर उचित लाभ के साथ उत्पादन की लागत जैसा कि सरकार द्वारा अनुमान किया गया है) गत तीन वर्षों के अंत में निम्नानुसार था :—

तिथि	यूरिया का भारित औसत प्रतिधारण मूल्य (रु०/टन)
31-3-1991 ..	3945
31-3-1992 ..	4140
31-3-1993 ..	4726

राष्ट्रीय केमीकल्स और फर्टिलाइजर्स का उत्पादन/लाभ-हानि

873. **श्री राम नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान कुल कितना उत्पादन किया गया और चालू वर्ष के दौरान कुल कितना उत्पादन होने की संभावना है,

(ख) इस समय उक्त कम्पनी की लाभ-हानि का ब्यौरा क्या है, और

(ग) कम्पनी को हानि से बचाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और इलैक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) राष्ट्रीय केमिकल्स और फर्टिलाइजर्स लि. (आर.सी.एफ.) द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान कुल उर्वरक उत्पादन और वर्ष 1993-94 के लिए कुल अनुमानित उर्वरक उत्पादन नीचे दिया गया है :—

(लाख टन में)

	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94 (अनुमानित)
यूरिया	16.36	15.93	17.75	18.28
एनपीके 15 : 15 : 15	3.70	3.36	3.51	3.60
एनपीके 20 : 20 : 0	2.67	2.76	2.90	2.90

(ख) वर्ष 1992-93 के दौरान, कम्पनी में प्रचालन लाभ प्राप्त किया । तथापि, विनिमय दर में उतार चढ़ाव के कारण कुवैती दीनार ऋण के दायित्व में वृद्धि को लेखे में लेने के पश्चात् कम्पनी ने कर पश्चात 26.58 करोड़ रु० का घाटा उठाया है ।

(ग) कम्पनी ने कुवैती दीनार ऋण के बारे में सरकार से कुछ राहत की मांग की है ।